



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 56] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 20, 1987/ फाल्गुन 29, 1908
No. 56] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 20, 1987/PHALGUNA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1987

अधिमूचना

सं.एक. 4(5) डब्ल्यू.एण्ड.एम/86 :—10 20 प्रतिशत
ऋण, 1993 (चौथा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण,
2006 (पांचवा निर्गम) के लिये 750 करोड़ रुपये की
कुल राशि के वास्ते 26 मार्च, 1987 को वैकिंग समय
की समाप्ति तक अभिदान नकदी स्वीकार किये
जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के
अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 26 मार्च, 1987
को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन
वैकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों
में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 750 करोड़

रुपयों में अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत या यथासंभव उसके
निकट तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2 यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 825
करोड़ रुपये में अधिक हो तो नकदी वाले अभिदानों
को आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया
जायेगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक
आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा
दी जायेगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज
अदा नहीं किया जायेगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया
जाने वाला और 14 जुलाई, 1993 को सममूल्य पर प्रतिदेय
10.20 प्रतिशत ऋण, 1993 (चौथा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 14 जुलाई,
1993 को सममूल्य पर वापिस अदा किया जायेगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सार्केनिक)

का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) व्याज—इस ऋण की व्याज दर 26 मार्च, 1987 से वार्षिक 10.20 प्रतिशत होगी। 26 मार्च, 1987 से 13 जुलाई, 1987 तक (सहित) की अवधि का व्याज 14 जुलाई, 1987 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 14 जनवरी और 14 जुलाई को व्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। व्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई, 2006 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006 (पांचवा निर्गम)।

(i) वापसी अदायगी की बारीख—ऋण 12 मई 2006 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।

(ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु. 1000.00 (सार्केनिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) व्याज—इस ऋण की व्याज दर 26 मार्च, 1987 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 26 मार्च, 1987 से 11 मई, 1987 (सहित) तक का व्याज 12 मई, 1987 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 12 नवम्बर और 12 मई को व्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। व्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

परक व्यवस्थाएँ

5. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार लिये जायेंगे—

(क) अहमदाबाद बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोटो और भायखला), कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद,

जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

6. व्याज अदा करने का स्थान—इस ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा मिजोरम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप राजकोष में व्याज अदा किया जायेगा।

7. व्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उस ऋण-धारको को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिन के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनमें एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे व्याज अदा किया जाये।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा में अधिक नहीं है, व्याज अदा करने के लिये जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

8. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर व्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले व्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों में मिलने वाली आय को वार्षिक, 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80ड के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

9. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों आर संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

10. 11.50 प्रतिगत ऋण, 2006 (पाचवा निर्गम) के संवध में प्रतिभूति या निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगी :—

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (ii) वचनपत्र

यदि आवेदक उस संवध में कोई विकल्प न दे तो प्रतिभूतियाँ स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

10.20 प्रतिगत ऋण, 1993 (चौथा निर्गम) के संवध में प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

11. ऋणों के लिये आवेदनपत्र—ऋणों के लिये आवेदनपत्र रु. 1000 या उसके गुणजों के लिये हाने चाहिये।

12. आवेदनपत्र इसके साथ जलन फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में हाने चाहिये जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों

का राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज का अदायगी की अपेक्षा करता है।

13. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकद या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आह्वित किये जाने चाहिये।

14. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों को आर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटन पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत आर उनको मुद्रयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु. 100.00 (साकेतिक) 6 पैसे का दर पर दलालों अदा की जायेंगी। बैंक वाणिज्य और सहकार, बैंक उनके अपने अतिदाताओं के लिये दलालों की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलालों को अदायगी के लिये ऋण जारी किये जाने का तारिख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिये।

राष्ट्रपति के आदेश से,

बी. बालमुखायन, अपर सचिव
अधिकार

आवेदन-पत्र का फॉर्म

मैं/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ

(

रूप)

के विषये

नकदी*/बैंक* प्रस्तुत करना हूँ/करते हैं और यह पतुग्राह करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्यवर्ग/मूल्यवर्गों के वचनपत्र (वचनपत्रों)*

स्टाक प्रमाणपत्रों

के रूप में क... के माफिक मूल्य की 10.20 प्रतिशत श्रृण, 1993 (बीया निर्गम)*/11.50 प्रतिशत श्रृण, 2006 [पाचवा निर्गम]* को प्रतिभूतिवा जारी की जाए।—

प्रति वचनपत्र ह... का(के)†

वचनपत्र

प्रति वचनपत्र ह... का(के)†

वचनपत्र

प्रति वचनपत्र ह... का(के)†

वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज... में धरा किया जाए।

विशेष टिप्पणी :

इस खाने में आवेदक कुछ न लिखे। प्रवि-
ष्टियां आदिता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

	आस्थापक	दिनांक	
आवेदन पत्र स. "दलाली नहीं" मुहर नकदी प्राप्त होने की तारीख बैंक वसूल होने की तारीख विशेष खानू खाने में जमा करने की तारीख जोष की गयी नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया मांग पत्र स. प्रतिभूति स. काई स. वाउचर पारित करने की तारीख			हस्ताक्षर : पूरा(पूरे) नाम पता दिनांक : जनवरी, 1987

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

†11.50 प्रतिशत श्रृण, 2006 (पाचवा निर्गम) के संबंध में वचनपत्र ह. 1,000, ह. 5,000, ह. 10,000, ह. 25,000 ह. 50,000 और ह. 1,00,000 के मूल्यवर्ग में जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो (हों) उसका/उनका यहाँ उल्लेख करें।

10.20 प्रतिशत श्रृण, 1993 (बीया निर्गम) के संबंध में प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी।

टिप्पणियां—

- (1) प्रत्येक श्रृण, और अपेक्षित नये श्रृण के प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए।
अलग-अलग आवेदन किया जाए।
- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर प्रगुटे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, याद से सांक श्रृण कार्यालय से पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं—
 - (i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिनिधि।
 - (ii) कंपनी/निकाय के ब्रह्मिन्वियों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिनिधियां।
 - (iii) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(या) के पत्र में किय गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिनिधि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छमाही ध्यान के प्रेषण के लिए प्रायेण फॉर्म (सोफ श्रृण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 20th March, 1987

NOTIFICATION

No. F. 4(5) W&M/86:—Subscriptions for the issues of 10.20 per cent Loan, 1993 (Fourth Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2006 (Fifth Issue) for an aggregate amount of Rs. 750 crores will be received in the form of cash on the 26th March 1987 upto the close Banking hours. In the event of 26th March 1987 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 750 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 825 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.20 per cent Loan, 1993 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 14th July 1993.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 14th July, 1993.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.20 per cent per annum from 26th March 1987. Interest for the period from 26th March 1987 to 13th July 1987 (inclusive) will be paid on 14th July 1987 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 14th January and 14th July. The interest paid will, subject to the provisions

of paragraph 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 11.50 per cent. Loan 2006 (Fifth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 12th May 2006.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 2006.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent per annum from 26th March 1987. Interest for the period from 26th March 1987 to 11th May 1987 (inclusive) will be paid on 12th May 1987 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraph 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

6 Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

7. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

8. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

10. The securities in respect of 11.50 per cent Loan, 2006 (Fifth Issue) will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates; or

(ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Stock Certificates. The securities in respect of 10.20 per cent Loan, 1993 (Fourth Issue) will be issued only in the form of Stock Certificates.

11. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 1000 or a multiple of that sum.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned offices within six months from the date of floatation of the loans.

By Order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Addl. Budget Officer.

FORM OF APPLICATION

I/We*

[Full Name(s) in Block Letters]

herewith tender *Cash Rs. (Rupees.....)
Cheque for

and request that Securities of 10.20 per cent Loan, 1993 (Fourth Issue) */11.50 per cent Loan, 2006 (Fifth Issue) * of the nominal value of Rs. may be issued to me/us*

*Promissory Note(s) in the
 denomination(s) stated below:—
 in the form of—
Stock Certificates.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

..... Promissory Note(s) + of Rs. each.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B. — The applicant should not write anything in this cage.
 The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date	Signature(s)
Application No.			Name(s) in full (Block Letters)
N.B. Stamp			
Cash Received on			
Cheque Realised on			Address
Credited to Special Current Account on			
Examined			
Cash Applications Register posted Brokerage Register posted			
Indent No.			
Scrip No.			
Card No.			
Voucher passed on			Dated the of March, 1987.

*Delete what is not required.

+Promissory Notes in respect of 11.50 per cent. Loan, 2006 (Fourth Issue) will be issued in denomination of Rs. 1000, Rs. 5000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

The securities in respect of 10.20 per cent. Loan, 1993 (Fourth Issue) will be issued only in the form of Stock Certificates.

NOTES :—

(1) Separate applications should be made for each Loan, each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :-
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrip in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.